भारत सरकाररसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

**राज्‍य सभा** अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1118

जिसका उत्‍तर शुक्रवार, 16 अगस्‍त 2013/25 श्रावण, 1935 (शक) को दिया जाना है।

**नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड की इकाइयों को एपीएम गैस की अनुपलब्‍धता**

**1118. श्री तपन कुमार सेन:**

क्‍या रसायन और उर्वरक मंत्री य‍ह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्‍या यह सच है कि नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड द्वारा हाल ही में ही एफओ/नाफ्था से संचालित होने वाली तीन इकाइयों को प्राकृतिक गैस से संचालित इकाइयों में बदले जाने के उपरांत एपीएम आधारित गैस की अनुपलब्‍धता के कारण उन्‍हें द्रवीकृत प्राकृतिक गैस से चलाये जाने पर विवश होना पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो वहां उपलब्‍ध द्रवीकृत प्राकृतिक गैस के प्रति मिलियन बीटीयू के लिए कंपनी को कितनी कीमत देनी पड़ती है;

(ग) क्‍या यह सच है कि उनके संयंत्रों की अनुमानित व्‍यवहार्यता सुपुर्द की गई गैस की लगभग 8 डालर प्रति एमएमबीटीयू है;

(घ) यदि हां, तो क्‍या वहां उपलब्‍ध द्रवीकृत प्राकृतिक गैस की सुपुर्दगी कीमत पर संयंत्र का संचालन व्‍यवहार्य है; और

(ड.) यदि नहीं, तो संयंत्रों को घाटे में चलाने के क्‍या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्‍वयन मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) (श्री श्रीकांत कुमार जेना)**

**(क):** एनएफएल ने नांगल, बठिंडा और पानीपत स्थित ईधंन तेल आधारित अपनी तीन इकाइयों को प्राकृतिक गैस आधारित इकाइयों में परिवर्तित किया है। पानीपत और बठिडां इकाइयां जनवरी 2013 में और नांगला इकाई अप्रैल 2013 में शुरू हुई। इन परियोजनाओं के लिए घरेलू गैस के आवंटन के अभाव में नांगल और बठिडां में गैस की आवश्‍यकता के लिए मैसर्स गेल के साथ और पानीपत में गैस की आवश्‍यकता के लिए मैसर्स आईओसीएल के साथ हाजिर गैस का अनुबंध किया गया है।

**(ख):** तीनों परिवर्तित इकाइयों में सुपुर्दगी आधार पर हाजिर गैस का वर्तमान मूल्‍य 19-22/अमेरिकी डॉलर/एमएमबीटीयू के बीच है।

**-2-**

**(ग):** कंपनी की ईंधन तेल आधारित तीनों इकाइयों को गैस में परिवर्तित करने की परियोजना व्‍यवहार्यता को भारत सरकार द्वारा 8 अमेरिकी डालर/एमएमबीटीयू के गैस सुपुर्दगी मूल्‍य और लगभग 14.5 अमेरिकी डॉलर/एमएमबीटीयू के ईंधन तेल/एलएसएचएस मूल्‍य को ध्‍यान में रखते हुए अनुमोदित किया गया था।

**(घ):** ईंधन तेल/एलएसएचएस से गैस में परिवर्तन के बाद संयंत्रों को हाजिर गैस के वर्तमान सुपुर्दगी मूल्‍य पर चलाना व्‍यवहार्य नहीं है क्‍योंकि ईंधन तेल/एलएसएचएस और सुपुर्दगी गैस के बीच 6.5 अमेरिकी डॉलर/एमएमबीटीयू (14.8 अमेरिकी डॉलर-8/एमएमबीटीयू) के मूल्‍य अंतर के कारण सरकार को होने वाली अनुमानित ऊर्जा बचत प्राप्‍य नहीं है। इस समय हाजिर गैस मूल्‍य (19.22 अमेरिकी डॉलर/एमएमबीटीयू) और वर्तमान में ईंधन तेल/एलएसएचएस मूल्‍य (22-23 अमेरिकी डॉलर/एमएमबीटीयू का सुपुर्दगी मूल्‍य) के बीच अन्‍तर लागत 6.5 अमेरिकी डॉलर/एमएमबीटीयू के अभिकल्पित मूल्‍य अंतर की तुलना में केवल 1-2 अमेरिकी डॉलर/एमएमबीटीयू का है।

**(ड़):** यूरिया की मूल्‍य निर्धारण नीति के अंतर्गत गैस की लागत की भरपाई की जाती है इसलिए गैस में परिवर्तित ईंधन तेल इकाइयों के प्रचालनों पर हाजिर गैस का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। तथापि, हाजिर गैस के अधिक मूल्‍य के कारण राजसहायता में अनुमानित बचत होनी शुरू नहीं हुई। राजसहायता में बचत होनी तब शुरू होगी जब गैस में परिवर्तित इन ईंधन तेल आधारित इकाइयों को घरेलू गैस का आवंटन हो जाएगा।

\*\*\*\*